फर्जीवाड़ा | कृषि विभाग की कार्रवाई में भारी मात्रा में सामग्री जब्त

ग्राम करौंदी में नकली डीएपी बनाने का भंडाफोड़

पाटन, नवभारत। किसानों के साथ धोखाधड़ी कर नकली डीएपी खाद तैयार करने के मामले में कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विकास खंड पाटन के ग्राम करोंदी स्थित 14- मील में छापामार कार्रवाई की।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ. इंदिरा त्रिपाठी के निर्देशन में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पाटन पंकज श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पनागर पंकज शर्मा के नेतृत्व में कृषि विभाग की टीम ने कार्रवाई की।

भारी मात्रा में नकली निर्माण सामग्री बरामद

इस पूरी कार्रवाई के दौरान ग्राम करौंदी में बहादुर सिंह राजपूत के घर से नकली डीएपी निर्माण में उपयोग होने वाली बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की गई। 100 डीएपी के खाली बैग प्राप्त हुए जिसकी जब्ती बनाई गई।

नकली उर्वरकों के कारोबारियों में मचा हड़कंप

बताया जाता है के इस कार्रवाई से क्षेत्र में नकली उर्वरकों के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक व कीटनाशक खरीदें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें।

पंचनामा बनाकर गोदाम किया सील

एवं विष्णु बारह कृषि केंद्र जिसके संचालक बहादुर सिंह राजपुर है के प्रतिष्ठान से इमिडाक्लोप्रिड की 42 बोतलें, हेक्साकोनाजोल की 50 बोतलें, अटेन (Attazin) की 300 बोतलें तथा टेपोमोज़ीम की 48 बोतलें बरामद की गईं जो प्रिंसिपल सर्टिफिकेयर बिना जुड़े पायी गईं जिसका मौके पर ही पंचनामा बनाकर कीटनाशक गोदाम को भी सील कर दिया गया। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई जारी है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसानों को असली डीएपी के नाम पर नकली उर्वरक उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

किसान पर जंगली सुअर का हमला, दो घायल

क्षेत्र में लंबे समय से जंगली सुअरों की गतिविधियां जारी

बेलखाड़ू, नवभारत। अपने खेत में बीती रात 8 बजे कृषि कार्य के लिए गए किसान एवं एक ग्रामीण मजदूर जंगली सुअर के हमले में घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी अनुसार बीते दिवस की रात मोहास ग्राम निवासी किसान सुशील तिवारी एवं बिलखरवा निवासी तारा बेन ग्राम हरदुआ नाला के समीप स्थित खेत में कृषि कार्य हेतु गए हुए थे। जहां दोनों के ऊपर जंगली सुअर ने अचानक हमला कर दिया जिससे दोनों घायल हो गए। घायलों ने बताया कि उनके जांघ, हाथ, पेट सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। अचानक हमले से घबराए हुए परिजन घायलों को तुरंत जबलपुर शहर के निजी अस्पताल इलाज हेतु लेकर पहुंचे साथ ही पुलिस चौकी बेलखाड़ू में घटना से संबंधित लिखित रिपोर्ट आवेदन दिया गया है।

वन विभाग की सुस्त प्रणाली पर उठे सवाल

बताया जाता है कि क्षेत्र में पिछले एक वर्ष से निरंदपुर, बघोंडा, महगवां, बेलखाड़ू, खैरी, मोहास, बिलखरवा सहित अन्य गांव में जंगली सुअर की बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामवासी देख रहें हैं, ये जंगली जानवर जहां एक ओर फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं वहीं नजर चूकते ही ग्रामीणों पर हमला भी करते हैं। लंबे समय से वन विभाग जबलपुर व पनागर से ग्रामीण जन इन घातक जंगली सुअरों से मुक्ति दिलाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन वन अमले की सुस्त कार्य प्रणाली से इसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि ऐसे में कैसे अकेले रात में खेती किसानी का काम कर पाएंगे।

आज से शुरू होने वाले पोलियो अभियान के लिए किया जागरूक

बेलखाड़ू, नवभारत। भारत सरकार द्वारा जड़ से पोलियो बीमारी को खत्म करने के लिए समय-समय पर वृहद पल्स पोलियो अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में पुन: छोटे बच्चों के लिए अभियान की शुरुआत हो रही है। जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलखाड़ू में आज से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान के सफल आयोजन हेतु आज व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इस अवसर पर मेडिकल ऑफिसर डॉ पीयूष द्विवेदी ने सभी से अनुरोध किया है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं।

मझौली सीएचसी में महिला स्टाफ के बीच चला हाईवोल्टेज ड्रामा

स्वास्थ्य व्यवस्था या विवादों का अखाड़ा? अब दागदार पृष्ठभूमि वाले अधिकारी को सौंपी जांच

मझौली, नवभारत, जबलपुर। सरकारी अस्पतालों में मरीजों का इलाज हो न हो, लेकिन स्टाफ के बीच 'गैंगवार' और गुंडागर्दी चरम पर है। जबलपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली में गत 24 जून को दो महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों कल्पना राय (चनगवां) और अनुराधा चक्रवर्ती (दर्शनी) के बीच अस्पताल परिसर के भीतर ही जमकर गाली-गलौज, मारपीट का प्रयास और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

इस घटना के बाद मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा आनन-फानन में एक जांच समिति का गठन तो कर दिया गया, लेकिन अब इस जांच समिति के गठन पर ही गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

क्या थे आरोप?

इस मामले में कल्पना राय का आरोप कि बैठक के बाद सीएचओ अनुराधा चक्रवर्ती ने उनका पीछा किया, सरेआम गाली-गलौज की, और जान से मारने की धमकी के साथ ही वॉट्सऐप ग्रुप पर अपमानजनक टिप्पणियां भी कीं।

वहीं सीएचओ अनुराधा चक्रवर्ती का आरोप कि कल्पना राय ने स्टाफ के सामने उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाकर गाली-गलौज की और उन पर शारीरिक हमला (हाथापाई) करने का प्रयास किया, जिससे दफ्तर में असुरक्षित माहौल बन गया। यह पूरी घटना मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम 3 और

नियम 7 (शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय आचरण) का खुला उल्लंघन है।

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी ने जांच आदेश (क्रमांक 5/एन.एच. एम./2026-27/508) जारी करते हुए अमित चंद्रा मझौली को इस तीन सदस्यीय जांच समिति का सदस्य सचिव नियुक्त कर दिया। सूत्रों और स्थानीय दावों के अनुसार, जिस अधिकारी (अमित चंद्रा) को निष्पक्ष जांच का जिम्मा सौंपा गया है, वे खुद विवादित पृष्ठभूमि के हैं, उन पर पहले से केस चल रहे हैं और एफआईआर तक दर्ज है। जो व्यक्ति खुद कानूनी झमेलों और लड़ाई-झगड़ों में फंसा हो, उसे इतनी संवेदनशील विभागीय जांच का सचिव बनाना प्रशासनिक समझ और नीयत पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

आदेश की कॉपी में 'सफेद झूठ' या लापरवाही?

आदेश के पृष्ठ क्रमांक 1 के नोट में बकायदा लिखा गया है कि समिति के किसी भी सदस्य का किसी भी पक्ष के साथ कोई पूर्व विवाद या हितों का टकराव नहीं है, इसकी पुष्टि की गई है। अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन को अपने ही अधिकारियों के मुकदमों और एफआईआर की जानकारी नहीं है? या फिर जानबूझकर अपनों को बचाने और मामले को रफा-दफा करने के लिए ऐसे विवादित व्यक्ति को जांच की कमान सौंपी गई है? जब जांच करने वाले की खुद की छवि साफ नहीं है, तो पीड़ित महिला कर्मचारियों को 'नैसर्गिक न्याय' कैसे मिलेगा?

उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग

एक तरफ प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने का दावा करती है, वहीं जमीनी हकीकत यह है कि अस्पताल परिसर जंग का मैदान बन चुके हैं और जांच के नाम पर अपनों को उपकृत किया जा रहा है। क्षेत्र की जनता और जागरूक नागरिकों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला जबलपुर से मांग की है कि इस पूरी जांच समिति का पुनर्गठन किया जाए और दागी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

न्यायाधीश ने किया उप जेल सिहोरा एवं पाटन का औचक निरीक्षण

विधिक जागरूकता शिविर में बंदियों को दी कानूनी जानकारी

जबलपुर, नवभारत। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कृष्णमूर्ति मिश्र, तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के कुशल मार्गदर्शन में बीते दिवस केन्द्रीय जेल, जबलपुर सहित उप जेल सिहोरा एवं पाटन का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया।

केन्द्रीय जेल, जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृष्णमूर्ति मिश्र ने बंदियों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों का समय-समय पर जेल भ्रमण करने का उद्देश्य केवल निरीक्षण करना नहीं, बल्कि बंदियों की समस्याओं को समझना तथा उनके विधिसम्मत समाधान का हरसंभव प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति

जीवन में किसी न किसी प्रकार की कठिनाई का सामना करता है। जेल में निरुद्ध व्यक्तियों की भी अनेक न्यायिक एवं व्यक्तिगत समस्याएँ होती हैं, जैसे कि सजा की अवधि, जमानत, अधिवक्ता से संपर्क या न्यायालयीन प्रक्रिया से जुड़ी अन्य कठिनाइयाँ। इन सभी मामलों का निराकरण विधिक प्रक्रिया के अनुरूप ही संभव है, किन्तु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रत्येक पात्र बंदी को आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

बंदी ले सकते हैं नि:संकोच सहायता-श्री मिश्र ने कहा कि यदि किसी बंदी को अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हो रहा है अथवा उपलब्ध अधिवक्ता के संबंध में कोई असंतोष है, तो वह नि:संकोच नि:शुल्क विधिक सहायता (लीगल एड) का लाभ ले सकता है। ऐसे सभी मामलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आवश्यक विधिक सहयोग सुनिश्चित करता है, ताकि आर्थिक अथवा अन्य किसी कारण से कोई भी व्यक्ति न्याय प्राप्त करने से वंचित न रहे। उन्होंने सजायाफ्ता बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि वे अपने निर्णय के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं, तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से नि:शुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बंदियों से यह भी जानकारी ली कि कहीं किसी की उच्च न्यायालय में अपील लंबित तो नहीं है अथवा किसी को अधिवक्ता की आवश्यकता तो नहीं है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पात्र बंदियों को हरसंभव विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर शक्ति वर्मा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर, अरुण कुमार गोयल, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, तथा केन्द्रीय जेल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में उप जेल सिहोरा व पाटन में भी शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बंदियों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता योजना तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि न्याय तक समान एवं सुगम पहुँच सुनिश्चित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सदैव उनके साथ खड़ा है।

अधिवक्ता फोरम की आवश्यक बैठक आज

पनागर। अधिवक्ता फोरम पनागर के समस्त सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। फोरम के अध्यक्ष सुरेंद्र सेन और सचिव के. के. कुशवाहा द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, तहसील परिसर में स्थित अधिवक्ता भवन में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त बैठक आज दिन रविवार को सुबह 11:00 बजे से तहसील स्थित अधिवक्ता भवन में आयोजित की जाएगी जिसमें सभी सदस्यों से अधिवक्ता फोरम पनागर के पदाधिकारियों ने फोरम से जुड़े सभी अधिवक्ता साथियों से इस महत्वपूर्ण बैठक में समय पर उपस्थित होने का विशेष निवेदन किया है। बताया जा रहा है कि बैठक में संगठन और वकीलों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की जा सकती है।

आज कांग्रेस सेवादल करेगा ध्वज वंदन

कटंगी के बस स्टैंड स्थित राजीव गांधी स्मारक परिसर में होगा कार्यक्रम

नवभारत, कटंगी। आज रविवार को कटंगी के बस स्टैंड स्थित राजीव गांधी स्मारक परिसर में जिला कांग्रेस सेवा दल (शहर एवं ग्रामीण) द्वारा एक गरिमामयी और भव्य ध्वज वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ राजनेताओं को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि अपने विशेष संबोधन में देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण में कांग्रेस सेवा दल के ऐतिहासिक राष्ट्रीय योगदान पर प्रकाश डालेंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं में देश की एकता, अखंडता तथा 'एक राष्ट्र-एक ध्वज-एक संकल्प' की भावना को मजबूत करना और उनमें नए जोश का संचार करना है।

प्रभात फेरी से गूंजेगा देशभक्ति का संदेश

जिला शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी एवं जिला कांग्रेस सेवादल (ग्रामीण) अध्यक्ष शिव नामदेव ने संयुक्त रूप से बताया कि सुबह ठीक 10 बजे विधि-विधान से ध्वज वंदन किया जाएगा। इसके तुरंत बाद देशभक्ति के गीतों और गगनभेदी नारों के साथ पूरे क्षेत्र में एक विशाल प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इस मार्च का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस में देशप्रेम की भावना को जागृत करना और भारत माता के प्रति उनके कर्तव्यों को याद दिलाना है।

श्वेत वस्त्रों में जुटेंगे कार्यकर्ता, नागरिकों से शामिल होने की अपील

आयोजकों ने कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध जनों के लिए एक विशेष ड्रेस कोड निर्धारित किया है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी लोगों से सफेद पैंट-शर्ट या सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर आने का विशेष आग्रह किया गया है। सेवादल के अध्यक्ष द्वय ने कटंगी और जबलपुर क्षेत्र के समस्त नागरिकों और देशभक्तों से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की पुरजोर अपील की है।

स्टाफ की सतर्कता से बालिका सकुशल परिजनों से मिली

माता-पिता ने भारतीय रेल का जताया आभार

जबलपुर, नवभारत। यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता का एक और प्रेरणादायक उदाहरण पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल अंतर्गत कटनी रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला। ड्यूटी के दौरान उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) श्री अभिषेक दुबे की सतर्कता, संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई से अपने माता-पिता से बिछड़ी लगभग 5 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया।

स्टेशन निरीक्षण के दौरान श्री दुबे की नजर प्लेटफॉर्म पर रोती हुई एवं असहाय अवस्था में घूम रही बालिका पर पड़ी। उन्होंने बिना विलंब किए बालिका को अपने संरक्षण में लिया, स्टेशन प्रबंधकीय कार्यालय पहुंचाया तथा उसे पानी एवं बिस्किट उपलब्ध कराकर शांत कराया। इसके बाद बालिका से प्राप्त जानकारी के आधार पर स्टेशन पर लगातार उद्घोषणा (अनाउंसमेंट) कराई गई। कुछ ही समय में बालिका के माता-पिता स्टेशन पहुंचे। आवश्यक पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद बालिका को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।

बालिका को सुरक्षित पाकर माता-पिता भावुक हो गए और उन्होंने रेलवे प्रशासन एवं स्टेशन स्टाफ के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता, संवेदनशीलता और मानवीय व्यवहार के कारण हमें हमारी बेटी सुरक्षित वापस मिल गई। हम भारतीय रेल के सदैव आभारी रहेंगे।' यह घटना एक बार फिर सिद्ध करती है कि भारतीय रेल केवल यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि सुरक्षा, सेवा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करती है। पश्चिम मध्य रेलवे का जबलपुर मंडल यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए निरंतर तत्पर है।

मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव की प्रक्रिया जारी

जबलपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव 2026 के तहत आज देवारा, धार, कन्नौद, बागली, आतेगाँव, सोनकच्छ, बैंकखुर्द, धर्मपुरी, बडनावर, मनावर, कुक्षी, सरदारपुर की मतपेटियों की मतगणना सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। निर्वाचन प्रक्रिया अधिवक्ता समुदाय के व्यापक सहयोग एवं सहभागिता के साथ सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ रही है। मतगणना के प्रत्येक चरण में अभ्यर्थियों एवं उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्य संपादित हो रहा है, जिससे प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित हो रही है। वर्तमान मतगणना चरण में राकेश सिंह भदौरिया, डॉ विजय कुमार चौधरी, राजेश व्यास, डॉ पी.सी कोठारी, जितेन्द्र कुमार व्यास को वर्तमान मतगणना में अधिवक्ता समुदाय का उल्लेखनीय समर्थन प्राप्त होता हुआ परिलक्षित हो रहा है। प्रत्येक चरण के साथ चुनावी मुकाबला और अधिक सशक्त, प्रभावशाली एवं निर्णायक रूप लेता जा रहा है।

नई पहचान | भारतीय किसान संघ ने किया सरकार के फैसले का स्वागत

मटर और सिंघाड़ा को जीआई टैग मिलने से किसानों की बदलेगी तकदीर

पनागर, नवभारत। महाकौशल क्षेत्र के मटर और सिंघाड़ा उत्पादकों के लिए एक बड़ी और हर्ष करने वाली खबर सामने आई है। इन दोनों पारंपरिक उपजों को जी.आई. (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिलने से क्षेत्र के किसानों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिलेगी, जिससे उनके आर्थिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त होगा। इस ऐतिहासिक निर्णय पर भारतीय किसान संघ ने सरकार का आभार जताया है।

भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संगठन लंबे समय से केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार के समक्ष यह मांग उठा रहा था। सरकार द्वारा इसे स्वीकार किए जाने पर संघ ने केंद्र व राज्य सरकार सहित अखिल भारतीय किसान संघ के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सिंघाड़ा उत्पादकों को मिले समर्थन मूल्य का कवच

महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जी.आई. टैग की सराहना करने के साथ ही किसानों की जमीनी समस्याओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सिंघाड़ा की खेती करने वाले किसान आज भी बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। घंटों पानी में रहकर काम करने के कारण उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें उपज की सही कीमत नहीं मिलती। संघ ने सरकार से पुरजोर मांग की है कि सिंघाड़ा का उपार्जन भी समर्थन मूल्य पर शुरू किया जाए, ताकि इस पारंपरिक खेती और इससे जुड़े किसानों को उचित संरक्षण मिल सके।

मटर प्रोसेसिंग यूनिट से चमकेगी किसानों की किस्मत

जबलपुर और आसपास के जिलों में होने वाले उत्कृष्ट मटर उत्पादन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गुणवत्ता बेहतर होने के बावजूद सही बाजार न मिलने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार को महाकौशल क्षेत्र में बड़े स्तर पर हरे मटर की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करनी चाहिए। इससे आसपास के 8 से 10 जिलों के किसानों को सीधा फायदा होगा और क्षेत्र में फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

पनागर के परियट में बने 'गोबर गैस प्लांट'

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का रोडमैप तैयार करते हुए महामंत्री ने पनागर के परियट क्षेत्र में गोबर गैस प्लांट स्थापित करने का एक दूरदर्शी सुझाव दिया है। जिस पर उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र डेयरी उद्योग का एक प्रमुख केंद्र है। यहाँ उपलब्ध प्रचुर मात्रा में गोबर से गैस उत्पादन कर कई जिलों में घरेलू गैस की आपूर्ति की जा सकती है। इससे न केवल पर्यावरण स्वच्छ रहेगा, बल्कि किसानों को गोबर का उचित दाम भी मिलेगा।

शीर्ष नेतृत्व का माना आभार

किसान संघ ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि जी.आई. टैग महाकौशल के किसानों के लिए वरदान साबित होगा। इस बड़ी उपलब्धि पर अभा अध्यक्ष के.साई रेड्डी, महामंत्री मोहनी मोहन मिश्र, संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी सहित संगठन के सभी शीर्ष पदाधिकारियों के सतत प्रयासों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।